Need to include Buxar under Religious Tourism Circuit-Laid

श्री सुधाकर सिंह **(**बक्सर**) :** मैं सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । जैसा कि बोधगया को भगवान बुद्ध की ज्ञान स्थली के रूप में विकसित किया गया है और उसे अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, उसी प्रकार बक्सर, जो कि प्रभु श्रीराम की ज्ञान स्थली रही है, को भी धार्मिक पर्यटन सर्किट में शामिल किया जाना चाहिए । बक्सर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व अत्यंत व्यापक है । यही वह स्थान है जहां महर्षि विश्वामित्र ने भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को दिव्य अस्त्र-शस्त्रों की शिक्षा दी थी । यह पवित्र भूमि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ी हुई है, लेकिन इसके बावजूद आज तक इसे धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित करने की दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है । अतः, मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि बक्सर को आधिकारिक रूप से धार्मिक पर्यटन सर्किट में शामिल किया जाए और यहाँ के ऐतिहासिक स्थलों का समुचित विकास किया जाए ।यह न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का कार्य करेगा, बल्कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे । अतः, सरकार इस दिशा में शीघ्र आवश्यक कदम उठाए ।